गुरु घासीदास शोधपीठ (छत्तीसगढ़ शासन)

कला भवन, प्रथम मंजिल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर - 492010 (छ.ग.)

डॉ. जे.आर सोनी
अध्यक्ष

मोबा. : 7566336243
9827111018, 8319399107

क्रमांक : 54 गु.घा.शो.पी.

दिनांक : 20-12-17

प्रेस विज्ञप्ति

गुरु धासीदास शोधपीठ की राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न गुरु घासीदास जी का संदेश आज भी प्रासंगिक है

रायपुर दिनांक – 17.12.2017 पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविधालय रायपुर के गुरु घासीदास शोधपीठ ,छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी, और साहित्य एवं भाषा अध्ययन शाला के संयुक्त तत्वधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सम्पन्न हुआ । गुरु घासीदास शोधपीठ के अध्यक्ष डॉ. जे. आर. सोनी एव प्रो. डॉ. केशरी लाल वर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ के महान संत गुरु घासीदास जी के 261 वी जयंती के अवसर पर 17 दिसम्बर को 11:00 बजे से पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविघालय प्रेक्षा गृह में गुरु घासीदास जी के 7 उपदेशो एवं 42 अमृत वाणियों की प्रासंगिकता विषयों पर आयोजित की गई । संगोष्ठी के मुख्य अतिथि माननीय पुन्नूलाल मोहले जी मंत्री खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति छत्तीसगढ़ शासन , अध्यक्षता डॉ. भूषण जांगड़े सांसद राज्य सभा ने किया । विशिष्ट अतिथि डा. विनय कुमार पाठक जी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज भाषा आयोग , डॉ जयप्रकाश कर्दम जी निदेशक हिन्दी प्रशिक्षण गृह मंत्रालय नई दिल्ली, डॉ. काली चरण सनेही जी विभागाध्यक्ष हिन्दी लखनऊ विश्वविधालय , दिनेश साघ जी अध्यक्ष जेम्स एंण्ड ज्वेलरी मुम्बई ,बाबा कमलेश दास जी कोटवाधाम बाराबंकी थे । उक्त संगोष्ठी में कुल 47 शिक्षक ,समाज सेवी ,कर्मचारी अधिकारी एवं शोध छात्र छात्राओं द्वारा शोध आलेख का पठन किया गया ।

मुख्य वक्तागण :– नई दिल्ली माननीय श्री दिनेश साध, श्री शशांक शर्मा , संचालक छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी , डॉ. बृजेन्द्र कुमार गौतम ,प्रो एस. के. जाधव , डॉ डी .एन खुटे इतिहास विभाग, डॉ अनिल भतपहरी , डॉ .स्वामी राम बंजारे , .पी. डी. सोनकर .जे. एल. गहरे , डॉ. राजेन्द्र जांगडे, डॉ. बी. एल. सोनेकर , डॉ .जितेन्द्र प्रेमी , एवं अन्य वक्तागण थे । श्री दिनेश जांगडे ने पंथी नृत्य भी किया गया । सभी अतिथियों का साल श्रीफल स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया ।

सभी वक्ताओं ने माननीय मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष महोदय ने संत गुरु घासीदास जी के 7 उपदेशों एवं 42 अमृत वाणियों को प्रासंगिक बताया । बाबा जी का संदेश का प्रचार प्रसार व्यापक रुप से होने चाहिए । मुख्य अतिथि पुन्नू लाल मोहले जी ने पं. रविशंकर विश्वविधालय में गुरु घासीदास शोधपीठ की स्थापना करने के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी को शुभकामना एवं बधाई दी। गुरु घासीदास शोधपीठ द्वारा गुरु जी के जीवन

दर्शन एवं व्यक्तित्व एवं कृतित्व सामाजिक , आर्थिक , दार्शनिक ,ऐतिहासिक एवं मानव विज्ञान में शोध हो सकेगें जिससे समाज को लाभ होगा । इस संगोष्ठी में शोधपीठ की लघु पत्रिका का डॉ .आर .के .टंडन के दो पुस्तकों का कथारस एवं दलित एक विमर्श एवं मोहनलाल पटेल की एक पुस्तक का विमोचन की गई ।

गुरु घासीदास शोधपीठ द्वारा गुरु घासीदास सम्मान 2017 से उत्कृष्ठ कार्य करने वाले साहित्यकार समाज सेवी , स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सर्वश्री माननीय केयूर भूषण जी ,श्री के पी .खण्डे ,पी .डी .सोनकर एवं अश्वनी बबलू .त्रिवेन्द्र का साल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । कार्यकम में तकनीकी सत्र का संचालन डॉ .आर .के .ब्रम्हे एवं प्रो .पी के .शर्मा द्वारा किया गया । इस सत्र में 60 शोधपत्रों का वाचन किया गया । कार्यकम का संचालन डॉ .सी .आर .रात्रें एवं आभार प्रदर्शन डॉ संदीप वनसुत्रे कुलसचिव द्वारा किया गया । इस कार्यकम को सफल बनाने में डॉ .जितेन्द्र प्रेमी , डॉ .बी .एल .सोनेकर ,डॉ .बी .एन खुटें ,डॉ .राजेन्द्र जांगड़े , डॉ .मनमोहन सतनामी एवं विश्वविधालय परिवार के कर्मचारी अधिकारी तथा छात्र छात्राओं का विशेष योगदान रहा । इस कार्यकम में डॉ .रमेन्द्रनाथ मिश्र अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी ,डॉ .बी .के .शर्मा, डॉ .के .के .अग्रवाल ,श्री जी .आर .बाघमारे ,डी .एस पात्रे, दिनेश खुटे ,पृथ्वीराज बघेल , दिनेश जांगड़े , आर के .गेंदले , सेवाराम कुर्रे डॉ .सुधीर शर्मा ,डॉ .हेमन्त शर्मा एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

अध्यक्ष

डॉ .जे .आर .सोनी 20.12.17

प्रति ,

संपादक

दैनिक .....समाचार पत्र

रायपुर

महोदय ,

उक्त समाचार को अपने लोकप्रिय दैनिक में समाचार के रुप में प्रकाशित करने की कृपा करें ।

सधन्यवाद

डॉ .जे .आर .सोनी 20.12.17